सिंगापुर व जापान के चार दिवसीय दौरे में मुख्यमंत्री ने किए 60 से अधिक संवाद

- 500 निवेशकों से संपर्क, यूपी में निवेश को किया आमंत्रित
- पांच लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों की तलाश
- विभिन्न क्षेत्रों में आएगा करीब चार लाख करोड़ का निवेश

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ: सिंगापुर व जापान के चार दिवसीय दौरे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 60 से अधिक संवाद कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने राज्य में निवेश को लेकर 500 से अधिक निवेशकों के साथ संपर्क किया और निवेश का आमंत्रण दिया।

इस दौरान 1.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को लेकर विभिन्न कंपनियों के साथ करार हुए और 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश के प्रस्ताव राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल को मिले हैं। यह निवेश धरातल पर उतरने के बाद राज्य के पांच लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे और कौशल विकास भी होगा। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर सिंगापुर, टोक्यो और यामानाशी में तीन बड़े निवेश रोड शो आयोजित किए गए। इन रोड शो में करीब 500 निवेशकों और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को राज्य की औद्योगिक नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बड़े उपभोक्ता बाजार को निवेश के अनुकूल बताया। ग्रीन हाइड्रोजन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण, डाटा सेंटर, लाजिस्टिक्स, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति बनी। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निवेश प्रस्तावों को शीघ्र क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्यमंत्री की जापान यात्रा उत्तर प्रदेश को ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में अहम साबित हुई है। जापान के यामानाशी प्रांत के साथ हुए समझौता ज्ञापन में ग्रीन हाइड्रोजन सहयोग को केंद्र में रखा गया है। मुख्यमंत्री ने यामानाशी में ग्रीन हाइड्रोजन के प्लांट का भी दौरा किया। पावर टू गैस प्रणाली पर संचालित होने वाले इस प्लांट में सौर व पवन ऊर्जा से उत्पन्न बिजली को इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से हाइड्रोजन में बदला जाता है। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर के खानीपुर गांव में प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट का शुरू हो चुका है। इस प्लांट में ग्रीन हाइड्रोजन को सीएनजी व पीएनजी में मिलाकर आपूर्ति की जा रही है। प्रतिवर्ष लगभग 500 टन कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान है।

MAGZTER